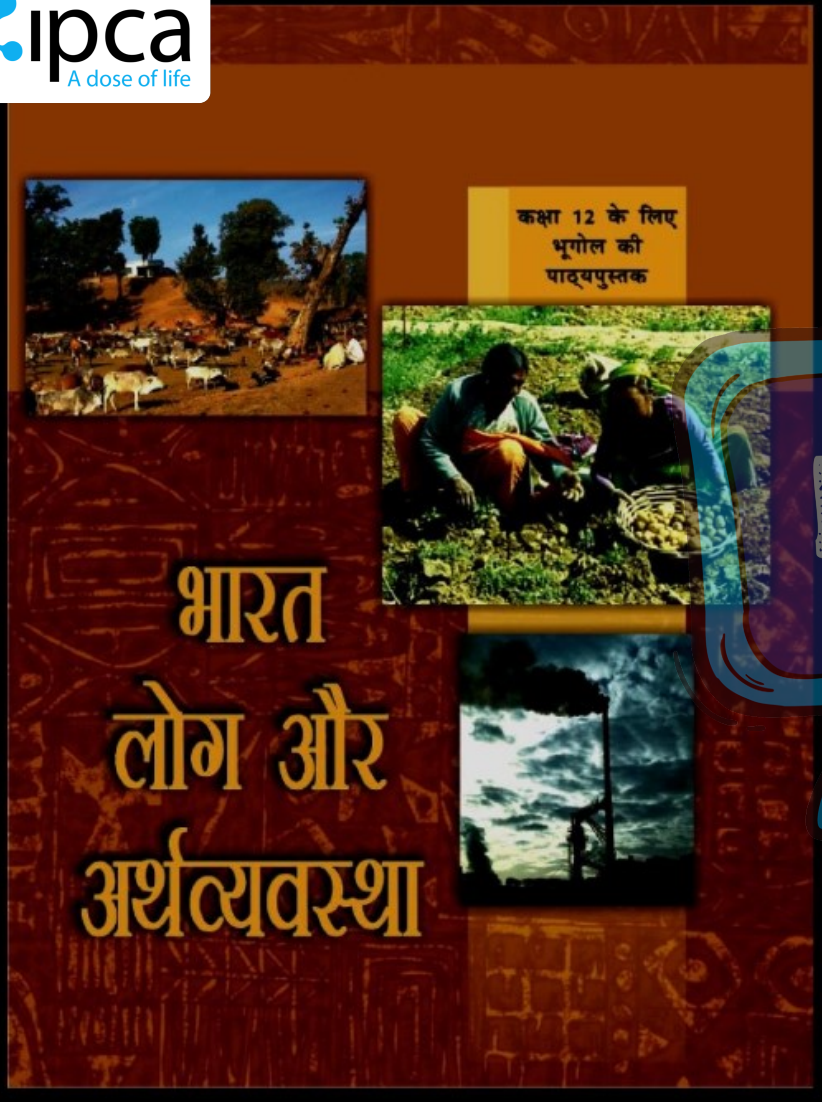

ipca
A dose of life
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
कक्षा - 12
भारत: लोग और अर्थव्यवस्था
अध्याय - 8
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
भाग - 2
पंकज वैष्णव

ipca
A dose of life



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विषय-सूची

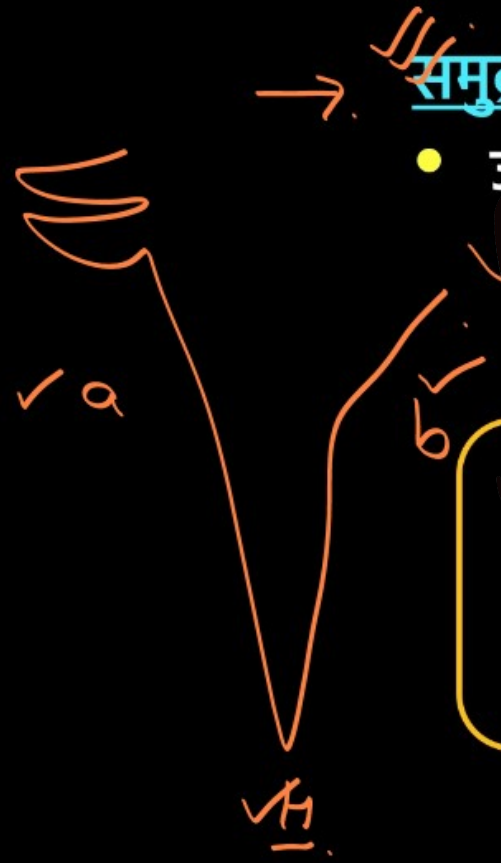
	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

समुद्री पत्तन : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार

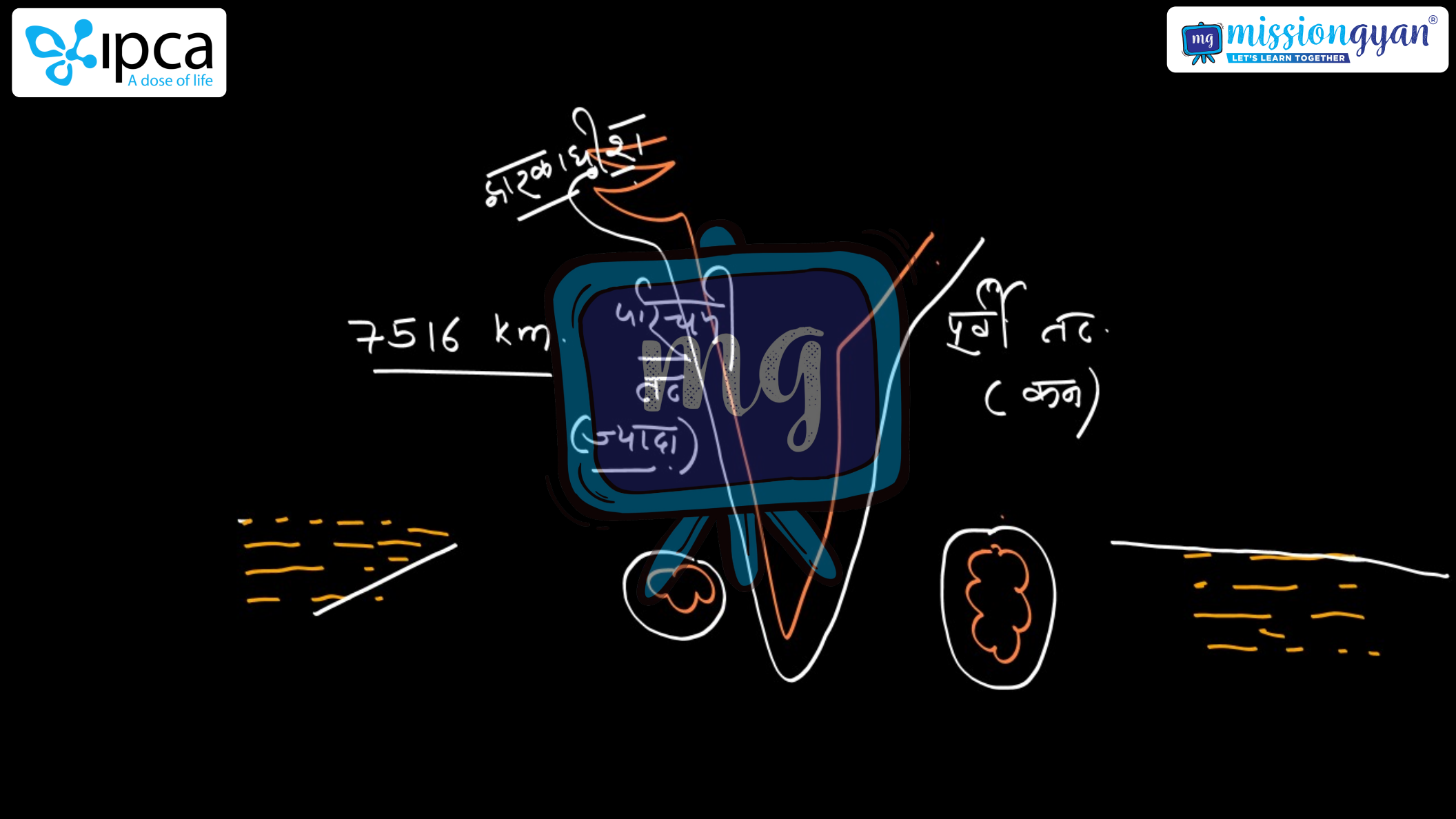
- जल → सस्ता परिवहन



भारत 3 ओर समुद्र से घिरा

भारत के पास लंबी तटरेखा (7516 किमी.)

पूर्वी तट की अपेक्षा पश्चिमी तट पर अधिक पत्तन

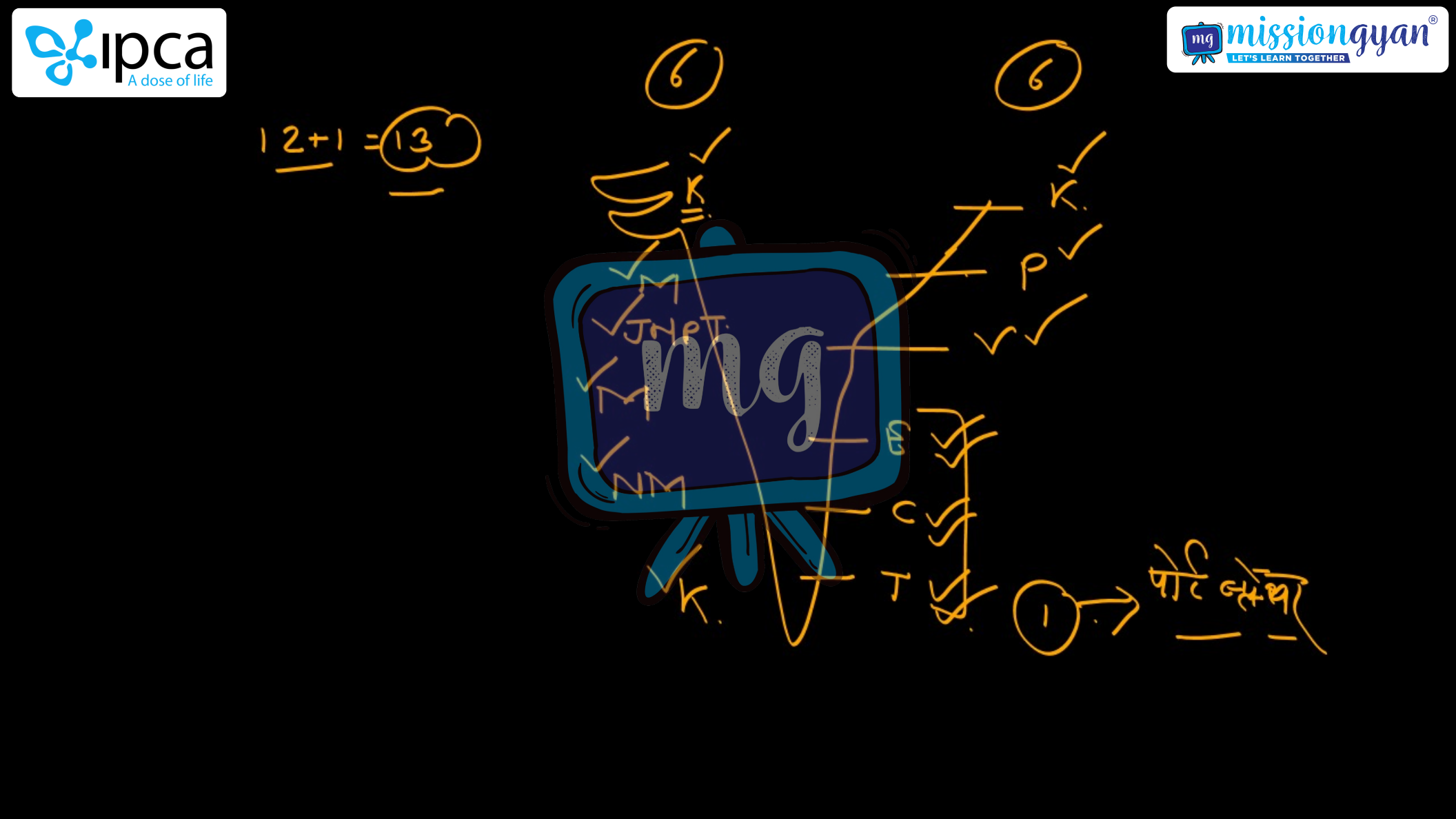

7516 km
पृथ्वी तट
(कम)

ipca
A dose of life

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER


ipca
A dose of life
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
12+1 = 13
6
6
K
K.
P
M
JHPT
NM
C
T
K.
1 → पेटि ब्लॉक

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



पत्तन पर माल उतारना

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- भारत में पत्तनों का उपयोग प्राचीन काल से
- लेकिन, यूरोपीय-व्यापारियों के आगमन और अंग्रेज़ो द्वारा भारत के उपनिवेशीकरण के बाद ये पत्तन अंतर्राष्ट्रीय-व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में उभरे
- इसी कारण देश में पत्तनों के आकार और गुणवत्ता में विविधता आई

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- कुछ पतनों के पास विस्तृत प्रभाव-क्षेत्र
- कुछ के पास सीमित प्रभाव-क्षेत्र

12 + 1 = 13

भारत में 12 प्रमुख और 200 छोटे (मझोले) पत्तन

केंद्र-सरकार :- प्रमुख-पत्तनों → नीतियाँ;
नियामक क्रियाएँ;

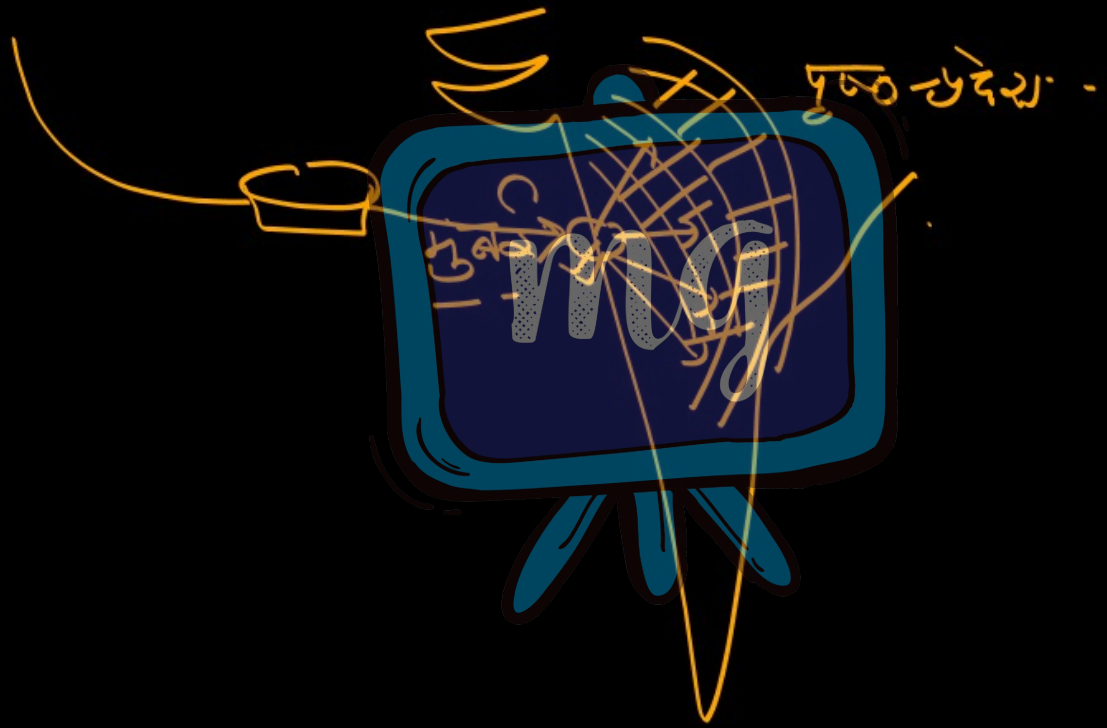
राज्य-सरकारें :- छोटे-पत्तनों → नीतियाँ;
नियामक कियाएँ

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

अंग्रेजों ने इन पत्तनों का उपयोग इनके पृष्ठप्रदेशों के संसाधनों के अवशोषण-केंद्र के रूप में किया था

- आंतरिक-प्रदेशों में रेलवे के विस्तार ने :-
  - स्थानीय बाजारों को क्षेत्रीय बाजारों,
  - क्षेत्रीय बाजारों को राष्ट्रीय बाजारों,
  - राष्ट्रीय बाजारों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने की सुगमता प्रदान की

- यह प्रवृत्ति 1947 तक बनी रही



अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- यह अपेक्षा थी कि देश की स्वतंत्रता इस प्रक्रम को उलट देगी

- परंतु, देश के विभाजन से भारत के 2 महत्त्वपूर्ण पत्तन अलग हो गए

  - कराची-पत्तन → पाकिस्तान (1971)
  - चिटगाँव-पत्तन → पूर्वी-पाकिस्तान (अब बांग्लादेश)

- क्षतिपूर्ति हेतु नए पत्तनों का विकास

  कांडला (पश्चिम में)

  डायमंड हार्बर (कोलकाता के पास/हुगली नदी) (पूर्व में)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- पहले, पत्तनों के विकास एवं आधुनिकीकरण की जिम्मेदारी सरकारी-अभिकरणों पर थी
- लेकिन, काम बढ़ने और इन पत्तनों को अंतर्राष्ट्रीय-स्तर के पत्तनों के समकक्ष बनाने की आवश्यकता ने पत्तनों के आधुनिकीकरण के लिए निजी-उद्यमियों को आमंत्रित किया

अधिकतर पत्तन आधुनिक अवसंरचना से लैस

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भारतीय-पत्तनों की नौभार निपटान क्षमता

1951 → 20 मिलियन टन

2016 → 837 मिलियन टन से अधिक

1 mn = 10 लाख

20 × 10 लाख

= 200 लाख

= 2 करोड़

837 × 10 लाख को

8370 लाख को

83.70 करोड़ को

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

प्रमुख भारतीय पत्तन



अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

प्रमुख भारतीय पत्तन



कांडला पत्तन

- कच्छ की खाड़ी के मुँहाने पर स्थित
- देश के पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी भाग की जरूरतों को पूरा करने और मुंबई-पत्तन पर दबाव को घटाने के लिए विकसित
- विशेष रूप से पेट्रोलियम, पेट्रोलियम-उत्पादों, उर्वरकों को ग्रहण करने के लिए बनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



मुंबई पत्तन (महाराष्ट्र)

- देश का सबसे बड़ा पत्तन
- प्राकृतिक पत्तन
- मध्यपूर्व-देशों, भूमध्य-सागरीय देशों, उत्तरी-अफ्रीका, उत्तरी-अमेरिका, यूरोप के देशों के मार्ग के निकट स्थित
- देश के विदेशी-व्यापार का अधिकांश भाग संचालित

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

जवाहरलाल नेहरु पत्तन (महाराष्ट्र)

- न्हावा शेवा में स्थित
- मुंबई-पत्तन के दबाव को कम करने के लिए एक अनुषंगी पत्तन के रुप में विकसित
- भारत का विशालतम कंटेनर पत्तन

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

मार्मागाओ पत्तन (गोवा)

- जुआरी-नदमुख के मुँहाने पर स्थित
- गोवा का एक प्राकृतिक बंदरगाह
- कर्नाटक, गोआ तथा दक्षिणी-महाराष्ट्र इसकी पृष्ठभूमि की रचना करते हैं
- जापान को लौह-अयस्क के निर्यात का निपटान करने के लिए 1961 में हुए पुनर्प्रतिरुपण के बाद इसका महत्त्व बढ़ा

कोंकण-रेलवे ने इस पत्तन के पृष्ठ प्रदेश में महत्त्वपूर्ण विस्तार किया

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

न्यू-मंगलौर पत्तन (कर्नाटक)

- कर्नाटक
- लौह-अयस्क और लौह-सांद्र के निर्यात की जरूरतों को पूरा करता है
- उर्वरकों, पेट्रोलियम-उत्पादों, खाद्य-तेलों, कॉफ़ी, चाय, लुगदी, ग्रेनाइट-पत्थर आदि का निपटान करता है
- कर्नाटक इस पत्तन का प्रमुख पृष्ठप्रदेश

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

कोच्चि पत्तन

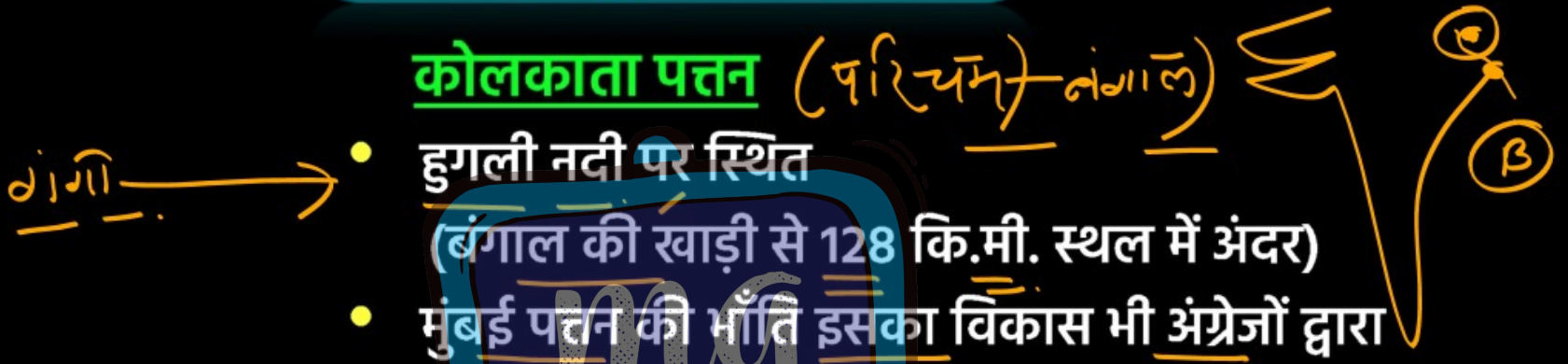
- वेम्बनाड कायल ("अरब सागर की रानी") के मुँहाने पर स्थित प्राकृतिक पत्तन
- स्वेज-कोलंबो मार्ग के पास अवस्थित होने का लाभ प्राप्त
- केरल, दक्षिणी-कर्नाटक, दक्षिण-पश्चिमी तमिलनाडु की आवश्यकताओं को पूरा करता है

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

कोलकाता पत्तन (पश्चिम बंगाल)



- हुगली नदी पर स्थित
  (बंगाल की खाड़ी से 128 कि.मी. स्थल में अंदर)
- मुंबई पत्तन की भाँति इसका विकास भी अंग्रेजों द्वारा
- विशाखापट्टम, पाराद्वीप, हल्दिया पत्तनों की ओर निर्यात के दिक्परिवर्तन के कारण अपनी सार्थकता काफ़ी हद तक खो दी है

कोलकाता को ब्रिटिश-भारत की राजधानी होने के प्रारंभिक लाभ प्राप्त थे

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



- हुगली नदी द्वारा लाई गई गाद की समस्या
- पृष्ठ-प्रदेश के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर-पूर्वी राज्य

भूटान और नेपाल को भी सुविधाएँ उपलब्ध कराता है

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

हल्दिया पत्तन

- कोलकाता से 105 कि.मी. अंदर स्थित
- निर्माण :- कोलकाता-पत्तन की संकुलता को घटाने के लिए
- लौह-अयस्क, कोयला, पेट्रोलियम एवं पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक, जूट एवं जूट उत्पाद, कपास आदि का निपटान

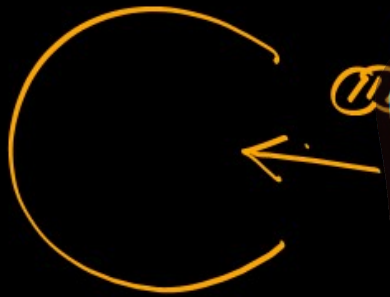
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



पारादीप पत्तन (3 डी/स्ट.)

- कटक से 100 कि.मी. दूर
- महानदी डेल्टा पर स्थित
- पोताश्रय सबसे गहरा
  (भारी पोतों के निपटान के लिए सर्वाधिक अनुकूल)
- बड़े पैमाने पर लौह-अयस्क के निर्यात के लिए विकसित
- पृष्ठ प्रदेश के अंतर्गत ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



विशाखापट्टम पत्तन (आंध्रप्रदेश)

- आंध्र प्रदेश में एक भू- आबद्ध पत्तन
- ठोस चट्टान एवं बालू को काटकर एक नहर के द्वारा समुद्र से जोड़ा गया है
- एक बाह्य पत्तन का विकास लौह-अयस्क, पेट्रोलियम तथा सामान्य नौभार के निपटान हेतु किया गया है
- प्रमुख पृष्ठ-प्रदेश :- आंध्रप्रदेश, तेलंगाना

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

चेन्नई पत्तन (तमिलनाडु)

- पूर्वी तट पर स्थित
- सबसे पुराने पत्तनों में से एक (1859)
- कृत्रिम पत्तन
- तट के निकट उथले जल के कारण विशाल पोतों के लिए अनुकूल नहीं
- पृष्ठप्रदेश :- तमिलनाडु, पुदुच्चेरी

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



एन्नोर पत्तन (तमिलनाडु)

- तमिलनाडु में नया विकसित
- चेन्नई के उत्तर में (25 कि.मी. दूर)
- चेन्नई पत्तन के दबाव को कम करने के लिए

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

तूतीकोरिन पत्तन

- चेन्नई पत्तन के दबाव को कम करने के लिए
- विभिन्न प्रकार के नौभार का निपटान
- कोयला, नमक, खाद्यान्न, खाद्य-तेल, चीनी, रसायन, पेट्रोलियम उत्पाद